पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14 प्रकाशित: 16.04.2014 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की

विशाल आर्य कार्यकर्ता बैठक

रविवार, 27 अप्रैल 2014

प्रात: 11.30 बजे

सार्वदेशिक सभा मुख्यालय, दयानन्द भवन, आसिफ अली रोड,नई दिल्ली

प्रीति भोज: दोपहर-2.00 बजे

वर्ष-30 अंक-22 वैशाख-2071 दयानन्दाब्द 190 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2014 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 16.04.2014, E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

युवा निर्माण से होगा राष्ट्र निर्माण ।। ओ३म् ।। चरित्र बचेगा तो देश बचेगा

शिक्षाविद् डॉ. अमिता चौहान व डॉ. अशोक कु. चौहान के सान्निध्य में

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का राष्ट्रीय शिविर

बलमुपास्व

शनिवार 7 जून 2014 से रविवार 15 जून 2014 तक

विशाल युवक चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर

स्थान : ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सैक्टर-44, नोएडा, उ०प्र०

उद्घाटन समारोह — रविवार 8 जून, प्रातः 11.00 बजे

भव्य समापन समारोह — रविवार 15 जून, सायं: 5 से 7:30 बजे तक

सभी शिविरार्थी शनिवार 7 जून 2014 को सायं 4 बजे तक अवश्य पहुंच जाएं।

निवेदक

डॉ.अनिल आर्य	आनन्द चौहान	दर्शन अग्निहोत्री	यशोवीर आर्य	महेन्द्र भाई
शिविर अध्यक्ष	शिविर संरक्षक	स्वागताध्यक्ष	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	शिविर संयोजक

हम भारत की नारी हैं ।। ओ३म् ।। फूल नहीं चिंगारी हैं

बलमुपास्व

केन्द्रीय आर्य युवती परिषद्, दिल्ली प्रदेश

के तत्वावधान में

आर्य कन्या चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर

रविवार 11 मई 2014 से रविवार 18 मई 2014 तक

स्थान : आर्य समाज मन्दिर, विशाखा एनक्लेव, पीतमपुरा, दिल्ली-110034

उदघाटन समारोह — सोमवार 12 मई 2014 प्रातः 10 बजे

समापन समारोह — रविवार 18 मई 2014, सांय 5:00 से 7:30 तक

अपनी बच्चियों को साहसी, स्वसुरक्षा एवं स्वावलम्बी भावनाओ से ओत-प्रोत करें

सभी बालिकाएं रविवार 11 मई 2014 को सायं 5 बजे तक आर्य समाज मन्दिर विशाखा एनक्लेव में अवश्य पहुंच जाए।

निवेदक

नीता खन्ना	रचना आहूजा	अर्चना पुष्करणा	रणसिंह राणा	अनिता कुमार	सुषमा अरोड़ा
प्रान्तीय संरक्षक	प्रान्तीय अध्यक्षा	प्रान्तीय महामंत्री	स्वागताध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	प्रबन्धक

दानी महानुभावों से अपील

समस्त चैक/ड्राफ्ट केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के नाम आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007 के पते पर भिजवाने का कष्ट करें।

'एक अनोखा व्यक्तित्व : डा. भीमराव रामजी अम्बेदकर' -मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून

14 अप्रैल सन् 1891 को जन्मे डा. भीमराव रामजी अम्बेदकर जी की 124 वीं जयन्ती है। वह भारत के पहले कानून मंत्री रहे। भारत के संविधान के निर्माण व उसका प्रारूप तैयार करने में उनकी प्रमुख भूमिका थी। भारतीय रिजर्व बैक की स्थापना में भी उनका मुख्य योगदान था। वह दलितों, पिछड़े, निर्धनों व दुःखियों के मसीहा थे। उन्होंने जीवन में अनेकानेक महत्वपूर्ण कार्य किये जिनसे देश व समाज प्रभावित हुआ। बहुत से कार्य वह करना चाहते थे वे चाहते होगें परन्तु उसमें उन्हें सफलता नहीं मिली। एक कार्य तो यह चाहते थे कि समाज से सामाजिक असमानता, छुआछुत, अस्पर्शयता, ऊंचनीच, छोटे-बड़े की भावना समाप्त होकर सारा देश एक भाव, एक विचार, सर्व-स्वीकार्य एक मत-धर्म, भाषा व जीवनशैली, सबका एक सुख-दुख व एक हानि-लाभ को स्वीकार करे व अपनायें। परन्तु यह कार्य अब तक कुछ बड़े लोगों के कारण सफल नहीं हो सका। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द ने भी अपने साहित्य व शंका-समाधान आदि में ऐसे ही विचार व्यक्त किये थे कि ऐसा होने पर ही देश व विश्व का पूर्ण हित हो सकता है व होगा। हिन्दुओं की जन्म पर आधारित जन्म-जाति व्यवस्था के बारे में सन् 1875 के आसपास उन्होंने कहा था कि 'ये वर्ण व्यवस्था आर्यो के लिए मरण व्यवस्था है। देखें इस डाकिन से आर्यो (हिन्दुओं) का पीछा कब छूटता है?' हम समझते हैं कि देश में यदि अस्पर्शयता न होती डा. अम्बेदकर जी देश व समाज के लिए और अधिक उपयोगी कार्य कर सकते थे। वह अपने जीवन में जितना कार्य कर सके उसके आधार पर हम उन्हें न्यायविद्, राजनेता, दर्शनिक, anthropologist, इतिहासकार तथा अर्थ-शास्त्री आदि अनेक विशेषणों से युक्त महनीय पुरूष कह सकते हैं। लगभग 63 वर्ष की आयु में ही उन्होंने इतने कार्य किये हैं इससे उनका जीवन आदरणीय, सम्मानीय, श्रद्धा व अनेकानेक युवकों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

राष्ट्र नायक डा. अम्बेदकर जी 14 अप्रैल 1891 को महू-मध्यप्रदेश में जन्में थे। आप अपने पिता श्री रामजी सकपाल एवं माता श्रीमति भीम बाई की 14 वीं व अन्तिम सन्तान थे अर्थात् भाई बहिनों में सबसे छोटे थे। तर्क व विज्ञान के आधार पर भी यही परिणाम निकलता है कि छोटी सन्तान सबसे अधिक मेधावी व योग्य होती है। आपका परिवार 'महर' जाति से सम्बन्धित एक निर्धन परिवार था तथा धार्मिक विचारधारा से आप कबीर पन्थी थे। पिता की आपको प्रेरणा थी कि वह हिन्दू मत के शास्त्रों में वर्णित वर्ण-व्यवस्था व जाति प्रथा का अध्ययन करें। आपका परिवार महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के स्थान का रहने वाला था। पिता व परिवार के अन्य लोग ईस्ट इण्डिया कम्पनी की सेना में कार्यरत थे। आपको बाल्य काल में शिक्षा प्राप्त करने में अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। उनके साथ जो भी भेद-भाव किसी भी रूप में हुए, वह सब अनुचित व दुःखद थे, उन्हें अमानवीयता की संज्ञा दे सकते हैं। महर्षि दयानन्द ने जिस गुरूकुलीय शिक्षा व्यवस्था को अध्ययन-अध्यापन के लिए प्रस्तुत किया उसमें उनका कहना था कि राजा का पुत्र हो या किसी निर्धन, दलित व पिछड़े परिवार का, सबको समान आसन, समान भोजन, समान वस्त्र व अन्य सभी सुविधायें एक समान रूप में मिलनी चाहिये। यदि समानता नहीं होगी तो यह अधर्म है व अनुचित कार्य है। यह विचार उन्होंने सन् 1875 में व्यक्त किये व अपनी प्रसिद्ध पुस्तक सत्यार्थ प्रकाश में लिखे हैं। आर्य समाज के इस समय लगभग 1,500 से अधिक गुरूकुलों में इस व्यवस्था का पालन किया जाता है जिसका परिणाम है कि आज वेदों के अध्ययन पर पण्डित वा ब्राह्मण वर्ग का एकाधिकार समाप्त होकर देश व समाज में दलित व पिछड़ें वर्गों से सम्बन्धित अनेक वेदों के भाष्यकार, विद्वान, अध्यापक आदि महान आशय वाले लोग हैं। सन् 1894 में अम्बेदकर जी के पिता सेना से सेवानिवृत होकर परिवार सहित सतारा आकर रहने लगे। यहां दो वर्ष बाद आपकी माताजी का देहान्त हो गया। भीमराव जी इस समय मात्र 5 वर्ष के बालक थे। आपकी चाची ने आपका व अन्य भाई-बहिनों का पालन-पोषण किया। आप अपने नाम के अम्बावादेकर शब्द का प्रयोग करते थे। आप एक जन्मना-ब्राह्मण अध्यापक महादेव अम्बेदकर के प्रिय छात्र थे। उन्होंने आपका नाम में अम्बावादेकर के स्थान पर अम्बेदकर कर दिया और यही शब्द स्कूल के अभिलेख में अंकित किया। यही शब्द सदा जीवन आपके नाम के साथ शोभायमान रहा। आप कोलम्बिया विश्वविद्यालय एवं लन्दन के स्कूल आफ इकोनोमिक्स में अध्ययन किया और यहां से विधि, अर्थशास्त्र एवं राजनीति शास्त्र में स्नातक हुए तथा इन विषयों में अध्ययन व अनुसंधान कर आप डाक्टरेट की उपाधि से अंलकृत हुए। आपने सन् 1918 में मुम्बई के College of Commerce & Economics में राजनीति एवं अर्थशास्त्र का अध्यापन भी कराया। आपके अध्ययन से आपके छात्र अत्यन्त प्रभावित थे और आपके व छात्रों के परस्पर अत्यन्त मधुर सम्बन्ध थे। सन् 1926 में आपने वकालत आरम्भ की व इसमें सफलता प्राप्त की। आपने 1920 में ''मूक नायक'' (Leader of the silent) नामक पत्र प्रकाशित कर अस्पर्शयता निवारण के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान दिया। कोल्हापुर के महाराजा शाहूजी (1874-1922) ने आपको इस कार्य व अन्य गतिविधियों में आर्थिक सहयोग प्रदान किया। यह ज्ञातव्य है कि शाहूजी आर्य समाज व आर्य विचारधारा के अनुयायी थे।

अर्थशास्त्र पर आपने तीन पुस्तकें लिखी जिनके नाथ थे - Administration & Finance of the East India Company, The Evolution of Provincial Finance & British India and The Problem of Rupee – Its origin and its solution. रिसर्व बैंक आफ इण्डिया सन् 1934 में स्थापित हुआ जो कि डा. अम्बेदकर के विचार एवं अनुमानों, कल्पनाओं व आइडियाज पर आधारित था। इसके लिए उन्होंने आवश्यक feedback आदि Hilton Young Commission को दिये थे। डा. अम्बेदकर जी की भारतीय संविधान के निर्माण में प्रमुख भूमिका थी। वह पहले कानून मंत्री थे। उन्होंने काश्मीर के सम्बन्धित विशेष दर्जा देने वाली धारा 370 का खुल कर विरोध किया था। इसके नेहरूजी उनको मना नहीं पाये थे। इससे उनके व्यक्तित्व का अनुमान होता है। अस्पर्शयता का विरोध उन्होंने किया। यह एक अमानवीय समाजिक कुप्रथा थी जिसका महर्षि दयानन्द सहित अनेक महापुरूषों ने विरोध किया। खेद है कि आज भी समाज में यत्र-तत्र इसके दर्शन होते हैं और जिन लोगों को इसका विरोध करना चाहिये, जिनके कारण यह विद्यमान है, वह विरोध नहीं कर रहे हैं। ऐसे लोगों को क्या कहा जाये? यह कैसा वैज्ञानिक युग व आधुनिक काल है कि यह अमानवीय कुप्रथा आज भी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है। हमें लगता है कि आज की आधुनिक शिक्षित युवा पीढ़ी इसे आने वाले समय में समाप्त करेगी।

डा. भीमराव अम्बेदकर जी ने सामाजिक विषमता के विरूद्ध आन्दोलन किया और अंहिसा को प्रधानता देने वाले बौद्धमत ग्रहण किया। आपको 1990 में भारत रत्न की देश की सर्वोपरि उपाधि प्रदान कर गौरवान्वित किया गया। आर्य समाज के शीर्षस्थ विद्वान स्वामी विद्यानन्द सरस्वती आपके प्रशंसक थे। आप दोनों में परस्पर मधुर सम्बन्ध थे। पौराणिकों व आर्य समाज में जब कभी कुछ विषयों पर मतभेद हुआ तो आपने आर्य समाज के विचारों का समर्थन किया। डा. अम्बेदकर जी का सुश्री शारदा कबीर जी से विवाह हुआ था। यह विवाह दिल्ली में आपके निवास पर हुआ था। शारदाजी ब्राह्मण परिवार में जन्मी थी। आपके पुत्र श्री यशवन्त एवं पोते का नाम अम्बेदकर प्रकाश यशवन्त है। वह भारतीय संसद के दोनों सदनों के सदस्य रहे हैं। डा. अम्बेदकर जी को मधुमेह रोग था। आप जून-अक्तूबर, 1954 में गम्भीर रूप से रूग्ण हुए और बिस्तर पर ही रहे। इस रोग से आपकी आंखें भी प्रभावित हुई जिससे आप पढ़-लिख नहीं सकते थे। सन् 1955 में आपका स्वास्थ्य और अधिक गिर गया। इस प्रकार सन् दिसम्बर 1956 आया जब एक दिन रात्रि को सोते हुए ही आपने नश्वर शरीर छोड़ दिया। 7 दिसम्बर 1956 को मुम्बई के दादर, चौपाटी में आपकी अन्त्येष्टि हुई। आपकी पत्नी की मृत्यु सन् 2003 में हुई।

आपके जीवन का सन्देश यही प्रतीत होता है कि प्रत्येक व्यक्ति को विपरीत परिस्थितियों में रहते हुए भी अपनी शैक्षिक योग्यता बढ़ानी चाहिये। असत्य, पाखण्ड व कुरीतियों का विरोध करना चाहिये। देश व समाज के लिए जितना भी बन सके उसकी उन्नति में अपना योगदान देना चाहिये। असत्य के आगे झुकना नहीं चाहिये। उनके जन्म दिन पर सबसे बड़ी श्रद्धाजंलि यही हो सकती है कि देश व समाज से सामाजिक असमानता, छुआ-छूत, अस्पर्शयता, ऊंचनीच की भावना, छोटे-बड़े का अन्तर पूर्णतया समाप्त होना चाहिये। जब तक यह असमानता विद्यामन है, यह नहीं कहा जा सकता कि देश उन्नति कर रहा है व हम आधुनिक समय में है। जिन लोगो के कारण यह असमानता आदि है, उन्हें अपने कर्तव्य को पहचानना है और इसके लिए सच्चे मन से कार्य करना है। इस कार्य में हम सम्प्रति शिथिलता अनुभव करते हैं। वेद मानव को परमात्मा प्रदत्त ज्ञान है। वहां कहा गया है कि सभी मनुष्य ईश्वर के पुत्र व पुत्रियां है, कोई छोटा-बड़ा नहीं है। अज्ञानता के कारण हम गल्तियां करते हैं जिनसे हम कमजोर होते हैं और देश व समाज पर संकट आते हैं। हम अनुभव करते हैं कि सत्य को ग्रहण करने व असत्य को छोड़ने में हमें सदा उद्यत रहना है। अविद्या का नाश व विद्या की वृद्धि करनी है, सभी मनुष्यों को अपनी ही उन्नति में सन्तुष्ट नहीं होना है अपितु सबकी उन्नति में अपनी उन्नति समझनी चाहिये। इस विचार वेदों स आयें हैं। यदि सभी लोग वेदों का स्वाध्याय कर अपना कर्तव्य निर्धारित करें तो श्रेष्ठ समाज बन सकता है। सामाजिक विषमता व असमानताओं से रहित समाज बना कर ही हम डा. भीमराव रामजी अम्बेदकर को उनके जन्म दिवस पर सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। हम समझते हैं कि सामाजिक समानता का लक्ष्य एक न एक दिन पूरा होना ही है। उसी दिन हम इस पृथिवी का आधुनिक काल कहलायेगा। वेदों की ऐसा समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। श्री अम्बेदकरजी को हमारी श्रद्धांजलि।

- 196 चुक्खूवाला-2, देहरादून-248001,फोनः 09412985121

पं.गुरूदत विद्यार्थी पर उद्बोधन

युवा विद्वान डा.विवेक आर्य का आर्य मनीषी पं.गुरूदत विद्यार्थी पर औजस्वी,खोजपूर्ण उद्बोधन रविवार, 27 अप्रैल 2014 को सांय 5 से 6.30 बजे तक आर्य समाज,सैक्टर-7,रोहिणी,दिल्ली में होगा । आप सादर आमन्त्रित हैं -आकाश बंसल:-9899824108

श्रीमती सन्तोष वधवा प्रधान निर्वाचित

स्त्री आर्य समाज, नारायणा विहार, दिल्ली के चुनाव में श्रीमती सन्तोष वधवा-प्रधान, श्रीमती परमजीत कौर-मंत्री व श्रीमती कृष्णा झाम्ब कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुई। तदर्थ बधाई।

जहां नहीं होता कभी विश्राम ॥ ओ३म् ॥ आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत)

के तत्वावधान में

युवा शक्ति को चरित्रवान, देशभक्त, ईश्वर भक्त, सस्कारवान बनाने का अभियान

ओ३म्
बलमुपास्व

1. राष्ट्रीय युवक चरित्र निर्माण शिविर

शनिवार 7 जून से रविवार 15 जून 2014 तक
स्थान : ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सैक्टर-44, नोएडा
सम्पर्क : श्री संतोष शास्त्री - 9868754140, श्री प्रवीन आर्य - 9911404423

2. दिल्ली आर्य कन्या शिविर

दिनांक 11 मई से 18 मई 2014 तक.
स्थान : आर्य समाज, विशाखा एन्कलेव, पीतमपुरा, दिल्ली
सम्पर्क-रचना आहूजा-9311175772, अर्चना पुष्करना-9899555280
उर्मिला आर्या-9711161843, सुषमा अरोड़ा-9711137590

3. उड़ीसा आर्य युवक शिविर

दिनांक 2 मई से 10 मई 2014 तक
स्थान : गुरूकुल वेद व्यास, राउरकेला, उड़ीसा
सम्पर्क : आचार्य धनेश्वर बेहरा - 09438441227

4. राजस्थान युवक निर्माण शिविर

दिनांक 25 मई से 1 जून 2014 तक
स्थान-डी.वी.एम. पब्लिक स्कूल, बहरोड
श्री रामकृष्ण शास्त्री-09461405709, मा.सत्यपाल आर्य-09001982643

5. फरीदाबाद युवक निर्माण शिविर

दिनांक 1 जून से 8 जून 2014 तक
स्थान : राजकीय उच्च.मा.विद्यालय, एन.एच-3
फरीदाबाद (हरियाणा)
सम्पर्क : श्री सत्यपाल शास्त्री - 09810464750
सत्यभूषण आर्य-9818897097, मनोज सुमन-9810064899

6. पलवल युवक निर्माण शिविर

दिनांक 9 जून से 15 जून 2014 तक
स्थान : महर्षि दयानन्द स्मारक केन्द्र, वन्चारी,
होडल, पलवल (हरियाणा)
सम्पर्क : स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती, फोन-09416267482

7. मध्यप्रदेश युवक चरित्र निर्माण शिविर

दिनांक 25 मई से 1 जून 2014 तक
स्थान : आर्य समाज, 219 संचार नगर, इन्दौर
सम्पर्क :- आचार्य भानुप्रताप वेदालंकार
फोन : 09977967777, 0731-3259217

8. यमुना नगर आर्य कन्या शिविर

दिनांक 2 जून से 8 जून 2014 तक
स्थान:वैदिक वृद्व संन्यास आश्रम, जगाधरी वर्क्स शॉप रोड,
यमुनानगर (हरियाणा). स्वामी सच्चिदानन्द जी-09416395561,
श्री मनोहरलाल चावला, फोन : 09813514699

9. उत्तराखण्ड युवक चरित्र निर्माण शिविर

दिनांक 28 मई से 3 जून 2014 तक
स्थान : गुरूकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार,पौड़ी गढ़वाल
सम्पर्क : योगीराज ब्र.विश्वपाल जयन्त - 09837162511

10. करनाल युवक निर्माण शिविर

दिनांक 18 जून से 22 जून 2014 तक
स्थान : आर्य समाज, प्रेम नगर,करनाल (हरियाणा)
स्वतन्त्र कुकरेजा-09813041360, हरेन्द्र चौधरी-09541555000,
रजनीश चोपड़ा-9813073173

11. जम्मू युवक चरित्र निर्माण शिविर

दिनांक 23 जून से 29 जून 2014 तक
स्थान : आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू
सम्पर्क : श्री सुभाष आर्य, फोन - 09419301915

12. जीन्द युवक चरित्र निर्माण शिविर

दिनांक 18 मई से 25 मई 2014 तक
स्थान : जय भारत हाई स्कूल, रोहतक रोड़, जीन्द
सम्पर्क : श्री योगेन्द्र शास्त्री, फोन : 09416138045

13. झारखण्ड आर्य कन्या निर्माण शिविर

दिनांक 18 मई से 2 जून 2014 तक
स्थान : डी.ए.वी.नन्दराज, रांची
सम्पर्क : आचार्य कृष्णप्रसाद कौटिल्य - 09430309525
श्री पूर्णचन्द आर्य - 09431535364

14. जयपुर युवक चरित्र निर्माण शिविर

दिनांक 16 जून से 22 जून 2014 तक
स्थान : संस्कार छात्रावास, जी.एल.सैनी कॉलेज आफ नर्सिंग
7-8, राधा निकुन्ज सी., रामपुरा मोहनपुरा रोड, केसरनगर चौराहे
के पास, जयपुर. सम्पर्क : यशपाल यश-09875035146

15. कैथल आर्य मानव निर्माण शिविर

दिनांक 1 जून से 8 जून 2014 तक
स्थान : गुरू ब्रह्मानन्द आश्रम, पुण्डरी, कैथल
सम्पर्क : श्री राजेश्वर मुनि जी - 09896960064

16. यमुना नगर युवक निर्माण शिविर

दिनांक 1 जून से 8 जून 2014 तक
स्थान : यमुना नगर, हरियाणा
सम्पर्क : श्री गोपाल शर्मा - 09467956050

17. बिहार युवक चरित्र निर्माण शिविर

दिनांक 22 जून से 29 जून 2014 तक
स्थान : आर्य समाज, समस्तीपुर, बिहार
सम्पर्क : आचार्य नवलकिशोर जी - 09771257878
श्री भारतेन्दू आर्य - 09430099239

18. उत्तर प्रदेश युवक चरित्र निर्माण शिविर

दिनांक 7 जुलाई से 13 जुलाई 2014 तक
स्थान : गुरूकुल संस्कृत महाविद्यालय,शुक्रताल, मुजफ्फरनगर
सम्पर्क : आचार्य पवनवीर जी - 09639661532

सभी शिविरों के 'समापन समारोह' पर दल बल सहित पहुंचे व तन-मन-धन से सहयोग प्रदान करें

निवेदक

डा० अनिल आर्य	यशोवीर आर्य	रामकुमार सिंह	महेन्द्र भाई	धर्मपालआर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9810117464	9312223472	9868064422	9013137070	9871581398

केन्द्रीय कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली -110007. फोन - 9868661680
Email: aryayouth@gmail.com • Website : www.aryayuvakparishad.com Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

गुरूकुल खेड़ाखुर्द व आर्य समाज रमेश नगर का उत्सव सौल्लास सम्पन्न

रविवार, 13 अप्रैल 2014, दिल्ली देहात के सुप्रसिद्व गुरूकुल खेड़ाखुर्द का 69 वां वार्षिक उत्सव प्रधान श्री ब्रह्मप्रकाश मान की अध्यक्षता में सौल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में गुरूकुल के प्राचार्य आचार्य सुधांशु जी का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य, स्वामी विश्वानन्द जी (मथुरा), आचार्य गवेन्द्र शास्त्री व मनोज मान, संचालन मंत्री श्री जोगेन्द्र मान ने किया। द्वितीय चित्र में आर्य समाज, रमेश नगर, दिल्ली के उत्सव में श्री हीरालाल चावला का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,वैद्य इन्द्रदेव जी, श्री राजेन्द्र लाम्बा, श्री नरेश विज, श्री महेश भयाना, श्री सत्यपाल नांरग व प्रधान श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन'।

आर्य समाज कालका जी का उत्सव व वैसाखी पर डा. अनिल आर्य का अभिनन्दन

रविवार, 6 अप्रैल 2014, आर्य समाज कालका जी, नई दिल्ली में आर्य समाज स्थापना दिवस सौल्लास मनाया गया। इस अवसर पर युवा विद्वान डा. सुधीर कुमार आर्य (जे.एन.यू.) का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य, मंत्री श्री राकेश भटनागर, श्री रामचन्द कपूर, श्री सुधीर मदान व प्रधान श्री रमेश गाडी। द्वितीय चित्र में 13 अप्रैल 2014 को आदर्श नगर पंजाबी कल्चरल सोसायटी दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित वैसाखी उत्सव पर डा. अनिल आर्य को सम्मानित करते प्रधान श्री सुरेन्द्र कोहली, साथ में प्रवीन आर्या। कुशल संचालन मंत्री श्री मनोज दुआ ने किया।

आर्य समाज इन्द्रापुरम का उत्सव सम्पन्न व श्री मिठाईलाल सिंह जी का अभिनन्दन

रविवार, 13 अप्रैल 2014, आर्य समाज इन्द्रापुरम, गाजियाबाद का उत्सव प्रधान श्री विजय आर्य की अध्यक्षता में सौल्लास सम्पन्न हुआ। वैदिक विद्वान डा. जयेन्द्र आचार्य को सम्मानित करते डा.अनिल आर्य, श्री रामकुमार सिंह, श्री शिशुपाल आर्य, कै.अशोक गुलाटी, प्रधान श्री विजय आर्य। आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया। डा.वीरपाल विद्यालंकार, श्री मायाप्रकाश त्यागी, श्री प्रवीन आर्य आदि के उदबोधन हुए। संचालन मंत्री श्री यज्ञवीर चौहान ने किया। श्रीमती सरिता, ममता चौहान, आर.के.चौहान, सौरभ गुप्ता, आशीष आर्य, विनोद मांगलिक, सी.एल.मोहन, ओमप्रकाश आर्य, प्रमोद चौधरी, सुरेश आर्य, अरूण आर्य आदि प्रमुख रूप से विद्यमान थे। द्वितीय चित्र में 31 मार्च 2014 को विश्व की प्रथम आर्य समाज काकड़वाड़ी, मुम्बई में 140 वां आर्य समाज स्थापना दिवस सौल्लास मनाया गया। इस अवसर पर आर्य नेता श्री मिठाईलाल सिंह जी का अभिनन्दन किया गया। आचार्य वागीश शर्मा, आचार्य परमदेव जी, डा.सोमदेव शास्त्री, आचार्य जितेन्द्र आर्य, प्रभाकर गुप्त, सभा मंत्री श्री अरूण अबरोल आदि विद्यमान थे।

इन्दौर में आर्य समाज स्थापना दिवस सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् मध्य प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित समारोह में आचार्य अखिलेश शर्मा का अभिनन्दन करते श्री रमेश यादव, श्री बंसीलाल खिलवानी, लक्ष्मणदास आहूजा, प्रान्तीय अध्यक्ष भानुप्रताप वेदालंकार व नारायण आर्य।

स्वामी दीक्षानन्द स्मृति दिवस देहरादून में

मूर्धन्य आर्य संन्यासी स्वामी दीक्षानन्द जी का 11 वां स्मृति दिवस रविवार, 11 मई 2014 को प्रात: 6.30 से दोपहर 1.30 बजे तक वैदिक साधन आश्रम, तपोवन, देहरादून में मनाया जायेगा। दिल्ली से विशेष बसों का प्रबन्ध किया गया है जो शुक्रवार 9 मई को रात्री 9 बजे चलेगी व 10 मई को हरिद्वार, ऋषिकेश भ्रमण करते हुए सायं 5 बजे तपोवन पंहुचेगी एवम् रविवार, 11 मई को दोपहर 2.30 बजे वापिस चल कर रात्री 10 बजे तक दिल्ली पंहुचेगी। किराया प्रति सवारी 500 रू. रहेगा। सम्पर्क करें- 9899444347, 9968079062, 9311161291, 9811757437, 9868661680।

शोक समाचार

1. हैदराबाद के स्वतन्त्रता सेनानी श्री जगदीश आर्य आयु 95 वर्ष का निधन।
2. श्री सुखदेव आनन्द (मंत्री,आर्य समाज, सीतापुरी, दिल्ली) का निधन।
3. श्रीमती ओमारानी रेलन (माता श्री चन्द्रमोहन आर्य) का निधन।
4. श्री सेवाराम आर्य पटेल, नागदा, उज्जैन, मध्य प्रदेश का निधन।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970